भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव पर गूंजे जियो और जीने दो के नारे।

विमानोत्सव कार्यक्रम में निकली श्रीजी की भव्य शोभायात्रा। * 16 दिवसीय शान्तिनाथ महामंडल विधान में हो रही धर्म की प्रभावना।

विशाल जैन पवा। तालबेहट (ललितपुर) सिद्ध क्षेत्र पावागिरी सहित कस्बे के दोनों जैन मंदिरों में जैन धर्म के 24 वें तीर्थकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का 2622वां जन्म कल्याणक महोत्सव प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बहुत ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें सुबह प्रभात फेरी के उपरांत मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन विधान हुआ तत्पश्चात पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के निकट चौराहे, दोनों बस स्टैंड, रामलीला मैदान और पेट्रोल पम्प तिराहे पर प्रसाद वितरण किया एवं 'अन्न खाओगे तो अनाज की पैदावार बढ़ेगी' का नारा बुलंद करते हुए अहिंसा, जीवदया, करुणा और परोपकार की भावना जागृत कर भगवान महावीर स्वामी के आदर्श 'जियो और जीने दो' पर चलने का आह्वान किया। दोपहर को विमानोत्सव कार्यक्रम में भगवान महावीर स्वामी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। जिसमें तैलीय चित्रों की झांकी, वीर प्रभु की सुन्दर आकर्षक झाँकियां, डी जे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, श्रीजी को विमान में लेकर श्रद्धालु, अश्वरथ एवं बग्गियों में धर्मध्वजा लेकर धर्मश्रेष्ठी, सत्य अहिंसा के नारे लगाते हुए पुरुष वर्ग एवं मंगल गीत गाते हुए महिलाएं चल रही थी। जिसमें डांडिया नृत्य अति सराहनीय रहा। सभी भक्तों ने अपने द्वारों को रंगोली से सजाकर श्रीजी की मंगल आरती उतारी एवं शोभायात्रा का स्वागत किया, जो बड़ा मंदिर से प्रारंभ होकर मर्दन सिंह स्टेच्यू से होते हुए रामलीला मैदान से नया मंदिर से वापसी होकर बर्फ फैक्ट्री के रास्ते सब्जी मंडी से होते हुए बड़ा मंदिर पहुंची । जहाँ श्री जी के कलशाभिषेक, शांतिधारा, फूलमाल की क्रियाएं संपन्न की गयी। रात्रि में मंगल आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भगवान का पालना झूला का आयोजन किया गया। पं. विजयकृष्ण शास्त्री ने कहा भगवान महावीर स्वामी के द्वारा प्रतिपादित अहिंसा, अस्तेय, अचौर्य, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों का अनुसरण करें एवं उनके बताए मार्ग पर चलें तो निश्चित ही मानव जीवन का कल्याण होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमल मोदी, मिठवा संत प्रसाद, डॉ. महेंद्र जैन, अनिल कुमार, सुरेंद्र जैन, राजीव कुमार, प्रकाशचंद्र, कमलेश सिरसी, शैलेष जैन, राकेश मोदी, सुनील कुमार, महावीर जैन, मनोज कुमार, प्रवीन कुमार, सजल मोदी, अजय जैन, आलोक जैन, सुधीर कुमार, रीतेश चौधरी, अनुराग मिठया, आशीष जैन, रोहित बुखारिया, आकाश चौधरी, सौरभ जैन, आदेश मोदी, अभिषेक कुमार, आयुष जैन सहित अहिंसा सेवा संगठन, वीर सेवा दल, जैन युवा सेवा संघ, भारतीय जैन मिलन वासुपूज्य एवं महिला शाखा, बालिका एवं महिला मण्डल और सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन चौधरी चक्रेश जैन एवं आभार व्यक्त अध्यक्ष मोदी अरुण कुमार जैन ने किया।

वहीं वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में भारतीय नववर्ष के आगमन और 16 दिवसीय पखवाड़े में चैत्र प्रतिपदा एकम से 16 दिवसीय शान्तिनाथ महामंडल विधान एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिदन भारी संख्या में धर्माबिलंबियों ने पहुँचकर पुण्यार्जन किया। प्रतिदिन नित्यमय अभिषेक, शांतिधारा, पूजन विधान सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम अनुष्ठान आयोजित किये गये। इस मौके पर अनिल जैन बबीना ने कहा भाग्य को प्रबल बनाने के लिए अपने पुण्य को बढ़ाना चाहिए । कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन विरधा, महामंत्री प्रवीण कुमार जैन कड़ेसरा, कोषाध्यक्ष चक्रेश जैन बुढ़पुरा, महेंद्र कुमार, राजेंद्र जैन, अशोक जैन, वीरेंद्र कुमार, देवेंद्र बसार, राकेश सतभैया, विजय कुमार, सुशील मोदी, प्रदीप एड, संतोष माताटीला, जितेन्द्र जैन, श्रेयांश बबीना, कपिल मोदी, हितेन्द्र पवैया, विकास पवा, स्वतंत्र जैन, नीलेश गरेठा, सुरेंद्र विरधा, प्रशन्न जैन, अरविन्द कुमार, पंकज भंडारी, अजय मोनू, मनीष जैन, अंजेश कुमार, अमन जैन आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

पुण्य कार्यों से भाग्य बनाने पर ही मेहनत फलीभूत होगी - बा.ब्र. अरुण भैया

सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन पर निकले विमान। अहिंसा सेवा संगठन द्वारा आयोजित तम्बोला प्रतियोगिता में सेजल प्रथम।

विशाल जैन, पवा । तालबेहट (ललितपुर) कस्बे के वासुपूज्य दिगम्बर जैन नया मंदिर में श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक एवं मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम की 5वीं वर्षागांठ पर राष्ट्रसंत आचार्य गुरुवर विद्यासागरजी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद और निर्यापक श्रमण आत्मसाधक परम तपस्वी मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज की पावन प्रेरणा से अष्टान्हिका महापर्व में 27 फरवरी से 7 मार्च तक विधानाचार्य बा.ब्र.भैया अरुण कुमार सागर के निर्देशन में भव्य महासिद्धिकारक सिद्धचक्र महामंडल विधान विश्व शांति महायज्ञ एवं हवन के उपरांत विमानोत्सव का आयोजन किया गया। 27 फरवरी को प्रातः घटयात्रा, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंडप शुद्धि, पात्र शुद्धि, ध्वजारोहण, मंगल कलश एवं अखंड दीप की स्थापना, जाप्यानुष्ठान के उपरांत 8 दिन तक द्विगुण-द्विगुण विधान में सिद्धों की आराधना की गयी। 6 मार्च को सुबह अभिषेक, शांतिधारा, पूजन विधान के उपरांत सैकड़ो श्रद्धालुओं ने सिद्धों की आराधना कर भक्तिभाव से 1024 अर्घ समर्पित किये और 7 मार्च को विश्व शांति महायज्ञ एवं हवन में पूणाहुति दी। मंगलाचरण बाल ब्रह्मचारी गीतू दीदी, सीमा दीदी, रानू दीदी ने किया। बा.ब्र. अरुण भैया ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए श्रीपाल मैना सुंदरी चारित्र का वर्णन किया एवं कहा शाश्वत और मांगलिक सिद्ध चक्र महामंडल विधान मनोकामना पूर्ति और इच्छित फल को प्राप्त करने का सशक्त और उपयुक्त माध्यम है। उन्होंने धर्म का मर्म समझाया एवं कहा की मानव जीवन को सफल बनाने के लिए संयम धारण करना चाहिए। धर्म को ढंग से करो, ढोंग नहीं करना चाहिए, दृष्टि बदलने से सृष्टि बदल जाती है। उन्होंने जैन धर्म में देव दर्शन, पानी छानकर पीने एवं रात्रि में भोजन न करने के साथ श्रावक के छह कर्त्तव्यों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा पुण्य कार्यों से भाग्य बनाने पर ही मेहनत फलीभूत होगी। पुण्य और पाप भाग्य के मूल आधार हैं । उन्होंने सम्यकदर्शन के प्रथम नि:शांकित अंग की व्याख्या करते हुए अपनी दिव्य देशना में कहा कि अगर कोई जीव एक बार सम्यकदर्शन को प्राप्त करले तो नियम से उसका निकटभव में कल्याण निश्चित है। जो सभी प्रकार की शंकाओं से रहित होकर वीतरागी देव-शास्त्र-गुरु पर श्रद्धान करता है वही सच्चा जिनधर्म का उपासक कहलाता हैं। विमानोत्सव कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने श्रीजी की ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली। इस दौरान श्रीजी को विमान और 9 पालकियों में लेकर श्रावक, बग्गी में धर्मध्वजा लेकर धर्मश्रेष्ठी, डीजे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, मंगल गीत गाती हुई महिलाएं, सत्य अहिंसा के नारे और महावीर स्वामी के जयकारे लगाते हुए पुरुष कस्बे के प्रमुख मार्गों से नगर भ्रमण कर पारसनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर होते हुए वापस वासुपूज्य जिनालय पहुंचे। जहां पं. विनोद कुमारजी शास्त्री, बबीना के नेतृत्व में कलशाभिषेक शांतिधारा एवं फूलमाल का आयोजन किया गया। जिसमें सौधर्म इंद्र रचना अनिल कुमार जैन, महायज्ञ नायक मनोज कुमारी अशोक जैन, प्रीति श्रेयांश कुमार जैन बबीना, सुमन विजय कुमार जैन एवं माला सुदर्शन जैन बांसी, धनकुबेर इन्द्र सुरभि समर्पण जैन, श्रीपाल-मैनासुंदरी विभा अर्पण जैन, ईशान इंद्र आकांक्षा राहुल जैन, सनतकुमार इन्द्र मोनिका शुभम जैन, माहेन्द्र इन्द्र प्रीति शरद जैन बड़गांव, राजेन्द्र जैन ग्वालियर, रेखा सनत जैन टीकमगढ़, रीता अंकित जैन ललितपुर, राजेन्द्र जैन टूंका, जयकुमार वीरेंद्र जैन ढकरई, कैलाशचंद्र गेवोरा, संतोष जैन पठारी, अटल जैन नयाखेड़ा, पुष्पेंद्र जैन विरधा, वीरेंद्र जैन बामौर, महेन्द्र कुमार, अशोक जैन कड़ेसरा, चक्रेश कुमार, स्वतंत्र जैन बुढ़पुरा, जितेन्द्र जैन बड़ौरा, प्रबल, वैभव आदि ने प्रमुख भूमिका निभायी। रात्रि में महाआरती मंगल प्रवचन के उपरांत अहिंसा सेवा संगठन के तत्वाधान में तम्बोला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सेजल जैन विरधा, अंकित जैन गुन्देरा, मनोज कुमारी बबीना एवं सुरेंद्र कुमार झाँसी विजयी रहे। मंदिर समिति ने पुण्यार्जक सुमतरानी भागचंद्र जैन वैद्य परिवार, सुरेन्द्र कुमार महेन्द्र कुमार जयकुमार जैन पवैया परिवार एवं प्रमुख पात्रों का माल्यार्पण कर शॉल श्रीफल के साथ स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रिय सहयोग रहा । संचालन अजय जैन मोनू एवं आभार व्यक्त मंदिर समिति के महामंत्री प्रवीन जैन कड़ेसरा ने किया।

महावीर जयंती - विदिशा

महावीर जयंती के शुभ अवसर पर श्री गोलालारीय दिगंबर जैन समाज, विदिशा द्वारा जन सामान्य के लिए शीतल जल (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर समाज के वरिष्ठगण श्री आनंद जैन, श्री नरेन्द्र जैन, डॉ. राहुल जैन (सचिव) एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

महावीर जयंती - ललितपुर

भगवान महावीर जयंती के अवसर पर जैन संस्कार युवा मंडल ललितपुर के सानिध्य में शीतल जल वितरण एवं कोल्ड ड्रिंक का वितरण शोभा यात्रा के दौरान किया गया । इस अवसर पर दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज के सम्मानित श्रेष्ठिगण, पदाधिकारी एवं युवा मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

चलो चलें कुमेड़ी, आनंद छाया है

चलो चलें कुमेड़ी, आनंद छाया है
जागे निर्वाणा के भाग्य आनंद छाया है
छाया है भई छाया है ।।
विद्या गुरु से आशीष पाया, अति सुंदर मंदिर बनवाया
छाई चारों और बहार, आनंद छाया है
आदिनाथ भगवान विराजे, विमल सागर ससंघ पधारे
हो रही जय जयकार आनंद छाया है ।
पंचकल्याणक नगर में गजरथ, विश्व शांति के लिए महायज्ञ
हुआ जन जन का कल्याण, आनंद छाया है ।
नाम नाम में क्या रखा है, जीवन यूं ही निकल गया है
करते रहो शुभ काम, आनंद छाया है....
चलो चले...

- कमलचंद जैन, इन्दौर